

प्रायदीपीय पठार (Peninsular Plateau)

प्रायदीपीय (Peninsula) :-

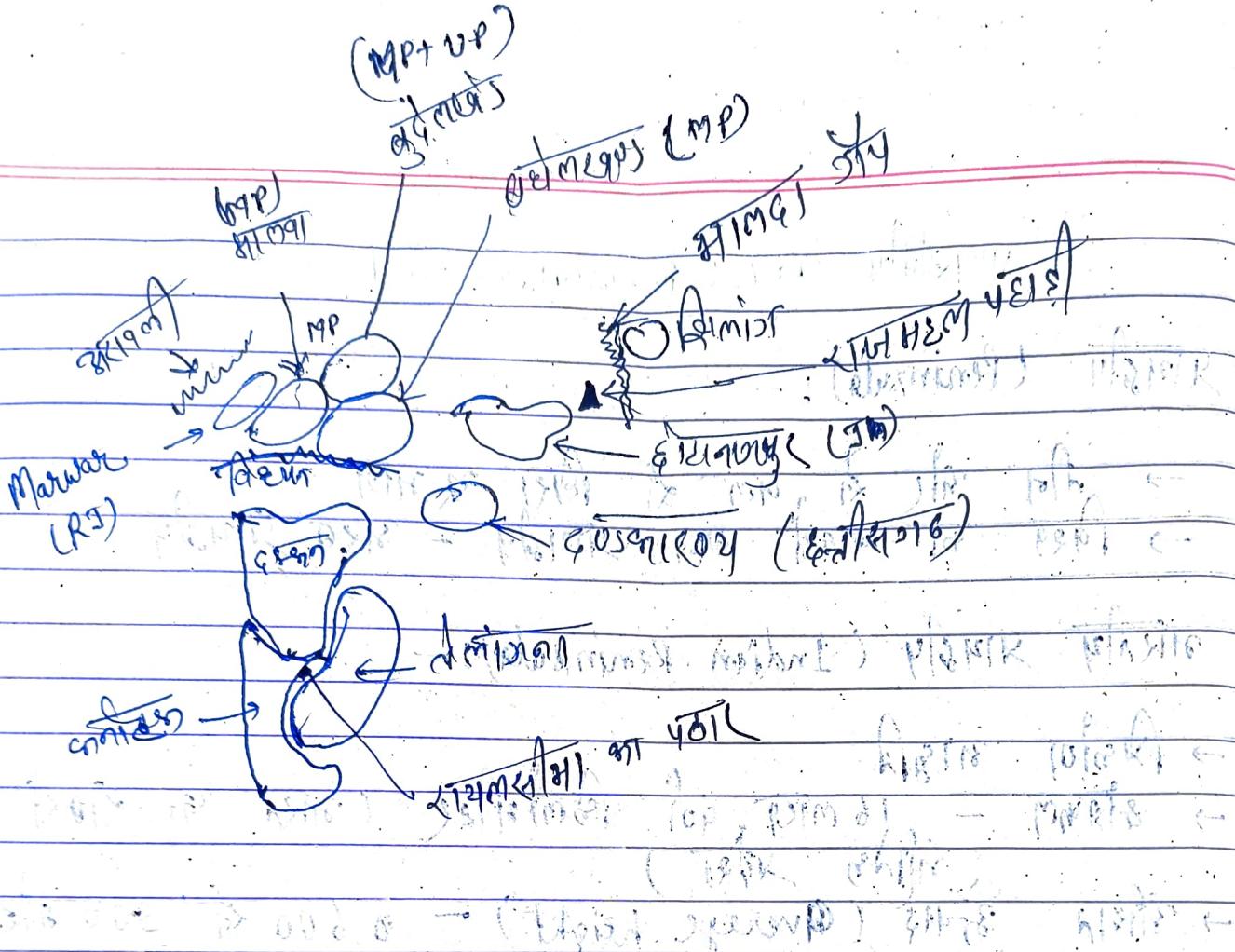
- तीन और कुपड़े की लिंगा भू-भाग
- केंद्र का नाम सिंहासन प्रायदीपीय - अरवि प्रायदीपीय

मार्गीय प्रायदीपीय (Indian Peninsula) :-

- शिखरीय आकृति
- विशेषज्ञ - 16 मीटर की ऊँचाई (मार्ग का उठाव की)
- औसत ऊँचाई (Average height) - 600 से 900 मीटर
- टीम (Step) दण्डिया
- ★ इन्हें भाग - चौथे से पूछे
दण्डिया भाग - पश्चिम से दूसरे
- नमीदा नदी (22° उत्तरी अक्षांश) द्वारा बिभाजित
- * मध्य उच्च भूमि
- * दक्षिण का पठार

निर्माण (Construction) :-

- प्राचीन गोदावरी भूमि का विरेणु (मार्ग का उठाव की)
- अपेक्षा दृश्य द्वारा उत्पादित उच्चांश एवं घास
- -पट्टी (Rock) → भूमि एवं उत्पादित पट्टी



→ रियल, अफिलिएट
साइन रियल अपलोड
एल क्रिएट

ଅଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଜୀବନରେ ପରିବର୍ତ୍ତନ ହେଲାଏବୁ
ଯାହାରେ ଆତ୍ମପରିଚୟ
ଓ ଆତ୍ମପରିଦ୍ୱାରା ଆତ୍ମପରିଚୟ
କାହାରେ ଆତ୍ମପରିଚୟ
ଓ ଆତ୍ମପରିଦ୍ୱାରା ଆତ୍ମପରିଚୟ

दृश्य का पार → दरारी विलायति उद्भव
 अंमला भ्रंश धारी + ननियुक्त अंतर्भूत ऋग (Regional)
 गोड़पाना बीचला पहरी - नदी विश्वासी है संप्रेषण (Compre-
 पाश्चयभी धारे नजारे (Escarpments) → गोड़पाना जैसे फैसला

विश्वासी

- दृश्य विलायति, उद्भव (fissure volcano eruption)
- विभिन्न विलायति (Various topographies)
- दरारी विलायति + उद्भव (fissure volcano eruption) → विश्वासी छोड़ने वाले पहरी एवं नदी
- विभिन्न विलायति (Various topographies) → पहरी, पठार, दृश्य, भ्रंश आदि
- गुहाएँ व विलायति की दृश्य से शर्करा फैसला

वर्गीकरण (Classification)

खुला पठार

दृश्य का पठार
 रायलसीमा का पठार
 मूलवा का पठार
 उद्दलेवार का पठार

खुला पहरी

अरविंध
 विश्वासी
 रात्रिपुरा
 पाठपाना विश्वासी

बहुमुखी पठार विभाग : बहुमुखी पठार
शैलनिक्षेप पठार
द्विमोर्त्यवाणी पठार
देशकालीन पठार
मध्यमय पठार
रीवाल पठार

शाखापृष्ठी पठार : मुख्य पठार (Peninsular Plateau: Main Plateau)

मुख्य उच्च झुमि शैलनिक्षेप पठार देशकालीन पठार

मध्य पठार : 1) मध्यमय पठार 2) मेंट्रिट लो पठार 3) तंत्रिगण लो पठार

मध्य पठार की पठार शैलनिक्षेप की पठार रायलसीमा की पठार
मालवीय
बहुमुखी
रीवाल

① मालवा का पठार (Malwa Plateau)

- अरावली व निम्बुद्ध घटा की मरुस्थली
- मुख्य नदियाँ :- मध्यप्रदेश का नदीमंडप
- नदियाँ :- कृत्रि, गंगा, बांधा आदि
- निभांग :- खाली ग्राम (Ravine), ग्राम जलाल (खाली ग्राम) त्रिपुरा (त्रिपुरा) चहार अपरदन → गोली (मिही)

मीरावा का पठार (Mewar Plateau)

- राजस्थान के मध्यप्रदेश
- अरावली के मीरावा का पठार की मरुस्थली
- नदियाँ - गणार (गंगा) की सहायता

बुंदेलखंड का पठार (Bundelkhand Plateau)

- मध्यप्रदेश व उत्तरप्रदेश में स्थित प्राचीनतम् पठार
- विद्युत्पात्र का बालियर का पठार की मरुस्थली
- नदियाँ → बैत्री, कृत्रि, निम्बुद्ध आदि
- मात्रा प्राचीनतम् आदिया → बहार → नील नद्य गंगा गंगा

तीव्रनालीपूर्व

पठार (Ahmed Nagur Plateau)

- मुख्य रूप से स्तरिक्ष (विद्युत + प्रकाश + वायु)
- एनिम रस्ते → अस्थि जोड़ी
- लौह अश्व, जौयला, (रानीगंज, वायनकार) गंगापुर
- नुविया : दामोदर रेलवे
- दामोदर → (प्रथम अंतर्राष्ट्रीय)
 - अस्थि छाई
 - दामोदर - मंदानी जौयला पट्टी

* रेणुरीधा

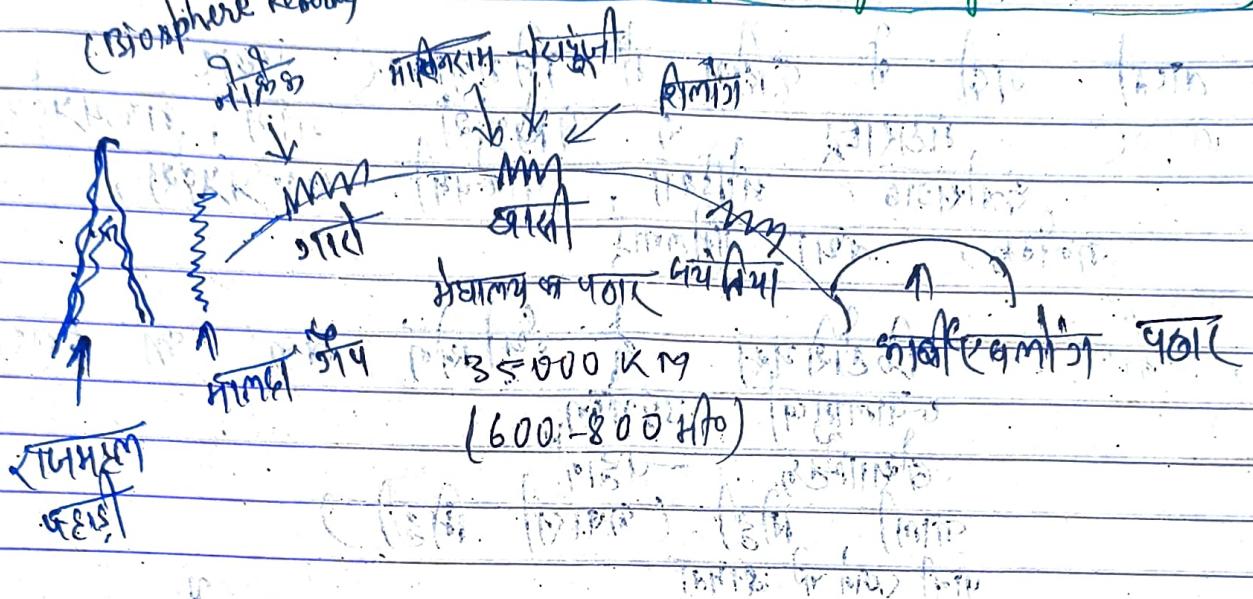
- दुर्ग बलप्रयात्

- पक्षी :- ग्रीनाइट, नीस अंगूष्ठ
- उमराव्यु

भारत की स्वतंत्रता
मरत भा विद्युत

- ⇒ यात्रानाथ → भूगतिरिक्तम्

मेघालय का पठार (Meghalaya Plateau)



काठियावाड़ का पठार (Kathiawar Plateau)

- गुजरात के दक्षिणी समुद्रकिनारे पर
- गोली (मैट्री)
- झीर विहार → एशियाई शेर

दंडकार्णि का पठार (Dandakaranya Plateau)

- दंडकार्णि (आदिवा + ब्राह्मणस्थ)
- नदियाँ → गोली व दंडकार्णि
- दंडकार्णि व दंडकार्णि → फिरुद खेळधारा, बगदू और (आदि जा)

→ दंडकार्णि = गोली का पठार तथा दंडकार्णि का पठार

वरसी का पठार → गोली का पठार (हिं)

वरसी

→ गोली-ब्राह्मण व दंडकार्णि = गोली का पठार

दक्षिण का पठार (Deccan Plateau)

- नदी : नदी के दक्षिण में शिखरपाल पठार
- विस्तार : - मध्यराष्ट्र के अंतिम भाग, मध्यप्रदेश, द्विलोका, ओडिशा, पश्चिम झारखण्ड, बंगलादेश, तथा तमिलनाडु
- जिहाज : - किनारी घस्त की द्योषित तंत्र द्वारा किया जाता है। इसमें उद्धोषण, विद्युत, वातानुकूली नियन्त्रण (जलसंचय सिद्धि) एवं वर्षा व्यवस्था की व्यवस्था

दक्षिण : - मध्यराष्ट्र पठार / दक्षिण द्वीप।
जगन्नाथ पठार
तलगामा पठार
स्वराष्ट्रीय द्वीप पठार

महाराष्ट्र का पठार (Maharashtra Plateau)

- विस्तार : - महाराष्ट्र
- वेदांग द्वीप : - लाला ना, परतदार नियन्त्रण (सारिय धनांड का नाम)
- नदियाँ : - गोदावरी
- उभयंग द्वीप : - औरंगाबाद पठार, जलवायन अंतर्गत पठार, मध्यरेत्र द्वीप

कर्नाटक का पठार (Karnataka Plateau)

- दक्षिण के पठार का गोपनीय में स्थित माला
- कर्नाटक पठार का पश्चिमी भाग → मैलगढ़
- नदियाँ :- ज्वाला, उमड़ा, बावरी, शरावती
(बांग खलप्रपात्र वा गरसापात्र खलप्रपात्र)
वराही नदी (कुपोषण खलप्रपात्र)

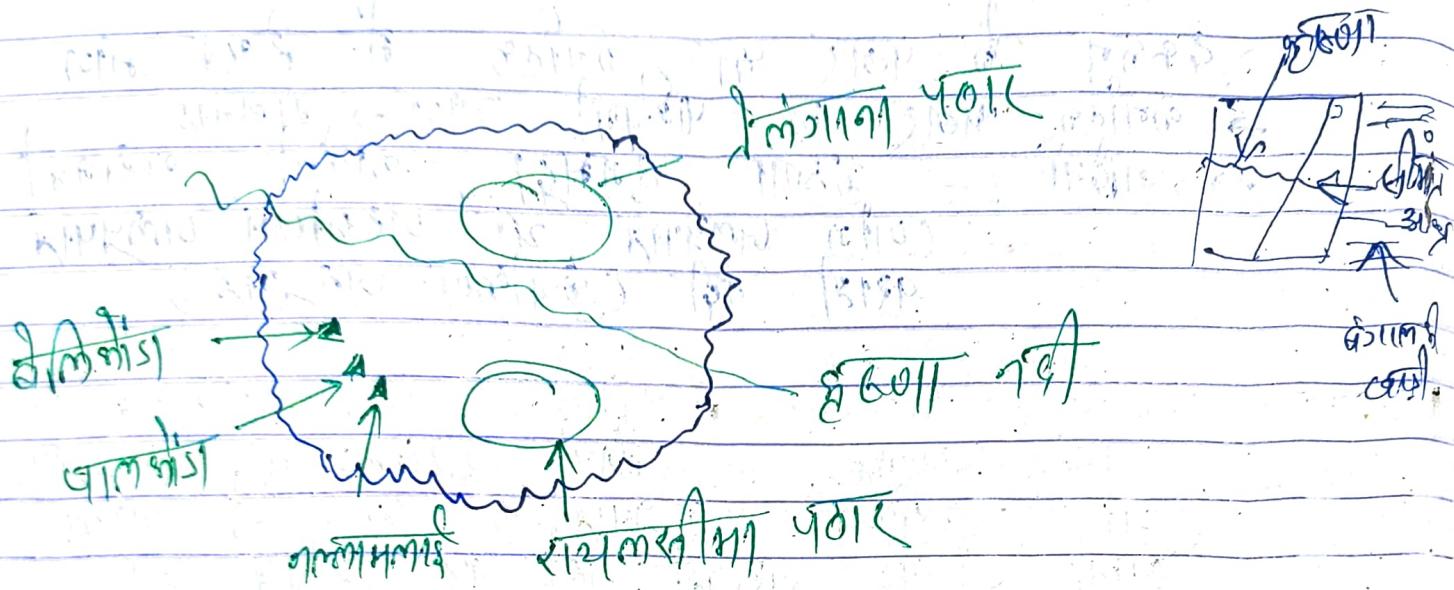
→ मैला का दृश्य : लोकट, केंची खलप्रपात्र
ज्वांग खलप्रपात्र है, जिसे महात्मगांधी खलप्रपात्र
भी गरसापात्र खलप्रपात्र के नाम से बोला
जाता है यह शरावती नदी के स्थित है।

वृक्षों

- मुलानगरी (जापानी)
- कुकुरी (आमावस्या वसाई की पर)
- अदाक (लाल अनाथक) (जापानी की) नियोर
दाका छो

उपगांग → लोकलुंब इसे मधुर का पठार

ఆంధ్రప్రదేశ్ లో పఠార్ (Andhra Pradesh Plateau)



→ హిందు సాగు ఆంధ్రప్రదేశ్ లో పఠార్ లో దీ

→ మానవ వ్యాపార బాధకాలాలలో పఠార్ లో మౌలికిలో

आधिकारीका पर्याप्त

अरवली शृंखला (Aravalli Range)

- 1) पालनपुर (गुजरात) से किमी तक
 - 2) लम्बाई १०० KM
 - 3) निर्माण (construction) :- इसका विभिन्न भाग में निर्माण विश्व का प्रतिक्रिया विकास पूर्वी (हिमालय से लम्बाई)
- अन्धकार → अपवाहन (पूर्व)

4) जलविभाजक (Water separator) :- इसकी (पूर्व) तथा मध्य (दूषित) व उत्तर व दक्षिण (दूषित)

5) सर्वोच्च (292) (Highest Peak) :-

(1722 मी), आखेर पठाड़िया राष्ट्रीय विहार (2191 मी).
जैन हिल्स (राष्ट्रीय विहार)

6) पठाड़िया (1811 m)

→ रायसीना हिल्स (Raisina) या दिल्ली रिजिड

→ Raisina Hills (Delhi) or Delhi Ridge

→ नारदगढ़ या एक्स्ट्रीय पठाड़िया

→ जंगली पठाड़िया (3625 m)

→ रायसीना हिल्स या राष्ट्रीय विहार

हिल्स

7) मुख्य दर (Main Pass):-

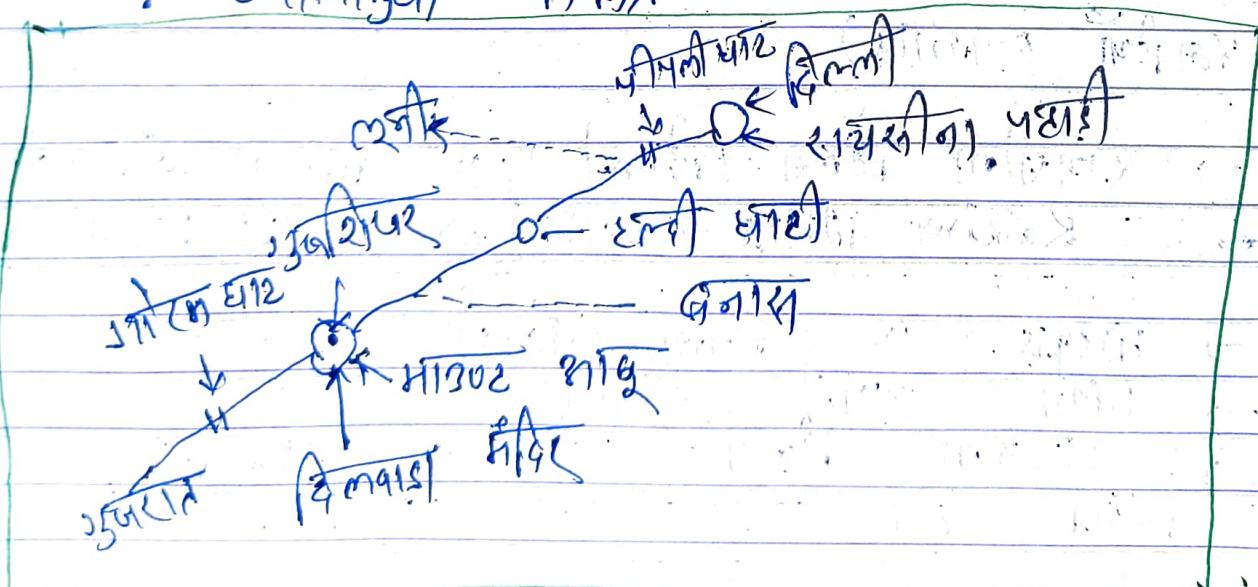
→ गोपनीयां (मात्र आम), २५% शेष
पैसा धार, दृश्य, दृष्टि

अन्य

पैदा - गोपनीयां
एवं अ - लीला, तारा, बहाव, उत्तरवास,
जामुक, संगमरमर आदि
(राजस्थान के २०% पैसा)

→ मरुद्युलीकरण को रोकने के मानदूष
दिल्ली देश एवं विद्युत

→ नक्की स्त्री
आम, प्राचीन, विद्युत



विंध्याचल पर्वत (Vindhyaachal Mountains)

१) उपराम रोड़ निलाई तक जिला दूरी

⇒ निमाग → अशोध पर्वत तक की दूरी

(Residual) के रूप में देखा जाना चाहिए पर्वत

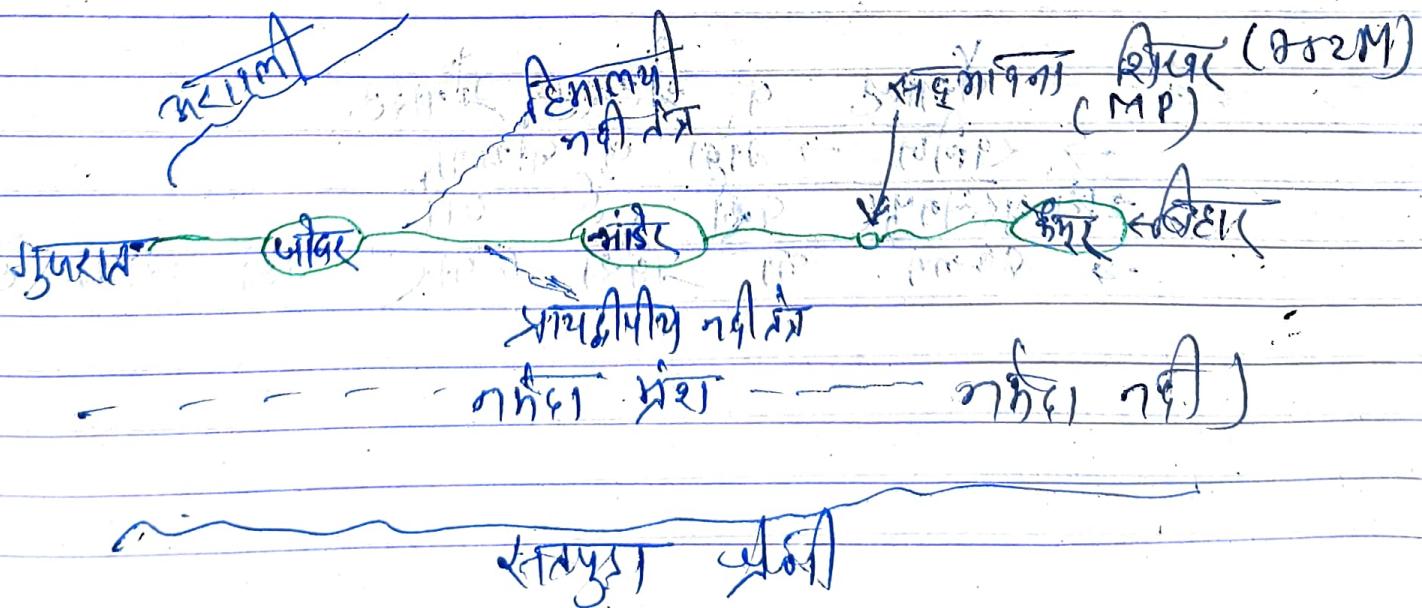
→ सापेल शिखर → बुडिल पर्वत (7521m)

५) अंत्य → उत्तर विभाग विभाग के नाम

→ हिन्दौर विभाग विभाग के नाम

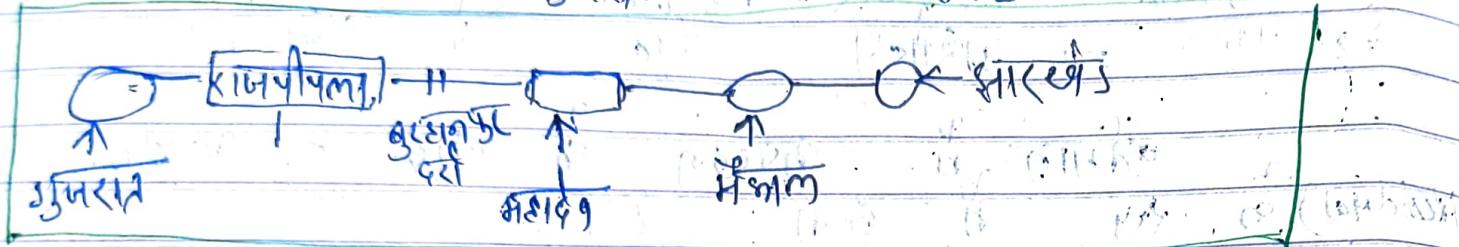
→ यदि नम्राजन, गगनाशा, लोह आदि
स्थिया वही हैं।

५) चोलीबाड़ी → चोलीबाड़ी-पर्वत (सीलोट इलाज), उत्तर पर्वत (मण्डि निमाग - भाल निला)



सतपुड़ा पर्वत शृंखला (Satpura Mountain Range)

1) राजस्थान, महाराष्ट्र, नेशनल शृंखला के रूप में नामित तथा नामी नामी के नाम से जुड़ता है।



2) विभाग: — अंशोदय पर्वत → उपरेण → आपरेण → आपशिख पर्वत

→ अमृष शिख → अमृषगढ़ और पंचमढ़ी (1350m), महाराष्ट्र पर्वती पर्वत

→ MP का हिस्सा वृक्षशाली

→ सतपुड़ा लीला लीला

→ Eco sensitive zone

→ अमृष लोकरक्कड़, गोदा (1065 m), नेशनल पर्वत

→ नारंग रोड व बोटिली का उद्यगम आर्द्धप्रवाह

→ अमृष व अमृषनगराम वायारक्कड़ अपरेण

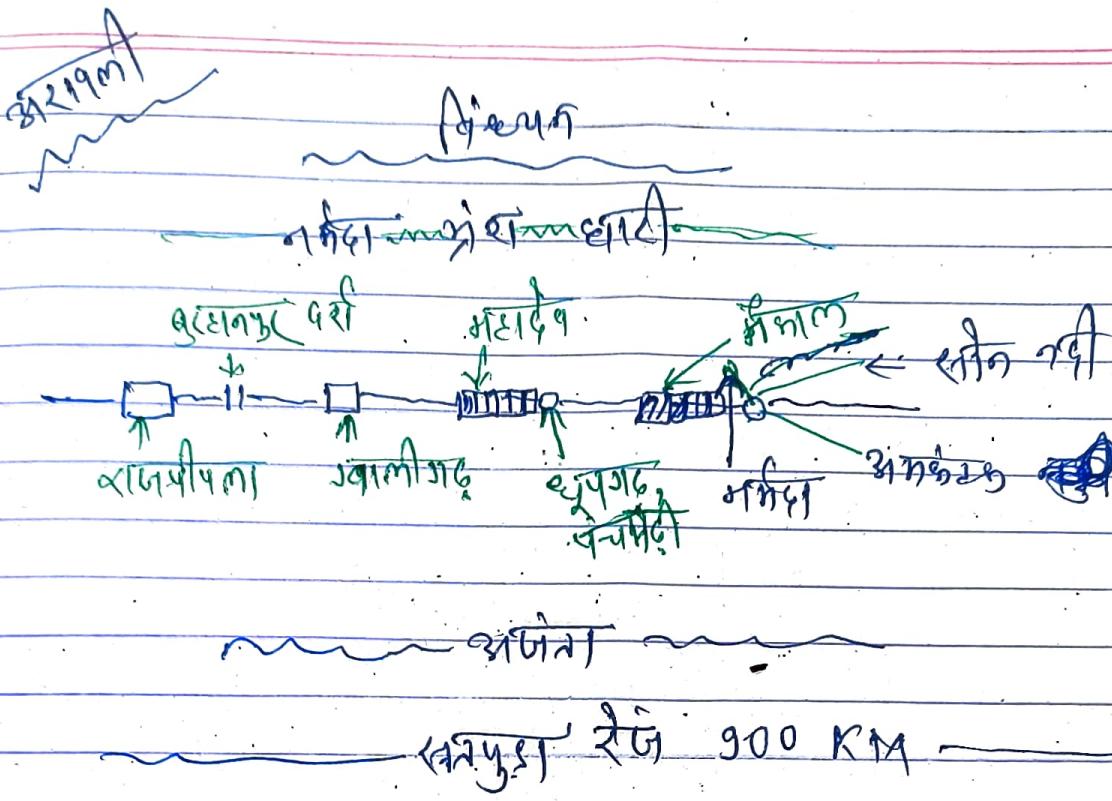
ज्ञान्य तथ्य

⇒ वहाँ: — वैदिक व शास्त्रीय नाम

→ एनिद → गोदा व बोटिली

अद्य उर्ध्वान्पुर दर्ता है जो

→ देश का पर्वत इमार जोगाड़ी



जून्य पठाड़िया

1) गिरनार पठाड़िया (Girnar Hills)

- गुरुगंगा, गुरुगंगा
- गोरखनाथ
- दशिमाई शेर वा गोवर शेर

2) जटिल पठाड़िया (Jaitila Hills)

- नारी गढ़ी देवी, नारी देवी, महारात्रि
- जटिलालीग देवी 7 km दूरी

3) राजगढ़ (जी) पठाड़िया

- 4) गुलामगढ़
- 5) बालगढ़